ध्येय पथ

मार्च 2025

मासिक ई-पत्रिका

सम्पादक
श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला
श्री अभिनव त्रिपाठी

महाराणा प्रताप महाविद्यालय,

जंगल धूसड़, गोरखपुर

ग्राम दर्शन –

02 मार्च को 'उन्नत भारत अभियान' के अन्तर्गत इतिहास विभाग के द्वारा अभिगृहीत ग्राम ककरहियां में कौशल विकास जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं से ग्रामीणों को अवगत कराया गया। कार्यक्रम का संयोजन इतिहास विभाग के अध्यक्ष श्री अनूप कुमार पाण्डेय ने किया।

सरस्वती भ्रमण –

02 मार्च को 'वनस्पति विज्ञान विभाग' के द्वारा गोद लिए गए गांव शेखवनियां में सरस्वती भ्रमण के अन्तर्गत जैविक कृषि पर आधारित बिन्दुओं पर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम का संयोजन वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने किया।

छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (उद्घाटन) –

03 मार्च को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एंव एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में संचालित 'आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन' एक वर्षीय प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के अन्तर्गत छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 11वीं एनडीआरएफ बटालियन के पांच प्रशिक्षकों इस्पेंक्टर श्री दीपक मंडल, जी.डी. श्री टुनटुन यादव, श्री ईश्वर चन्द, श्री संतोष यादव और श्री विजय शंकर यादव ने उपस्थित विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम का संचांलन श्री विवेक विश्वकर्मा तथा संयोजन ले. रमाकान्त दूबे ने किया।

पांच दिवसीय स्काउट गाइड परिचयात्मक शिविर कार्यक्रम (उद्घाटन समारोह) –

03 मार्च को बी.एड्. विभाग एवं रोवर्स/रेंजर्स के संयुक्त तत्वावधान में 'पांच दिवसीय स्काउट गाइड परिचयात्मक शिविर' के उद्घाटन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय की अकादमिक प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर ए.एल.टी. स्काउट गाइड श्री सूरज मौर्य एवं स्काउट गाइड प्रशिक्षिका श्रीमती दुर्गावती धूसिया और श्रीमती लाजो रानी का भी मागदर्शन प्राप्त हुआ।

पांच दिवसीय स्काउट गाइड परिचयात्मक शिविर (दूसरा दिन) –

04 मार्च को बी.एड्. विभाग एवं रोवर्स/रेंजर्स के संयुक्त तत्वावधान में 'पांच दिवसीय स्काउट गाइड परिचयात्मक शिविर' के दूसरे दिन स्काउट गाइड प्रशिक्षक श्री सूरज ने बौद्धिक सत्र का क्रियान्वयन किया। स्काउट गाइड प्रशिक्षिका श्रीमती दुर्गावती धूसिया एवं श्रीमती लाजो रानी ने स्काउट गाइड के विभिन्न आयामों की जानकारी प्रदान की तथा स्काउट गाइड प्रशिक्षक श्री राजू ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को व्यायाम कौशल तथा प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण प्रदान किया।

छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (दूसरा दिन) –

04 मार्च को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम' के दूसरे दिन गोरखपुर एसडीआरएफ टीम के छः प्रशिक्षकों श्री आकाश शंकर मिश्रा, श्री रजनीश कुमार, श्री धनंजय मौर्य, श्री राजकुमार खरवार, श्री पप्पू कुमार, श्री राणा प्रताप सिंह तथा श्री विवेक तिवारी के द्वारा आपदा के प्रकार, प्राथमिक उपचार और सहायता प्रदान करने के तरीकों आदि के विषय में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

पांच दिवसीय स्काउट गाइड परिचयात्मक शिविर कार्यक्रम (तीसरा दिन) –

05 मार्च को बी.एड्. विभाग एवं रोवर्स/रेंजर्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'पांच दिवसीय स्काउट गाइड परिचयात्मक शिविर' के तीसरे दिन स्काउट गाइड के प्रशिक्षकों द्वारा गांठ बांधना, स्कार्फ बांधना, संकेत पढ़ना, ध्वनि संकेत और हाथ मिलाना जैसी गतिविधियों को प्रशिक्षुओं को सिखाया गया। बौद्धिक सत्र के अंत में कैंप फायर का आयोजन किया गया। जिसमें प्रशिक्षुओं ने नाट्य मंचन तथा अपने कलात्मक अभिव्यक्तियों का प्रदर्शन किया।

छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (तीसरा दिन) –

05 मार्च को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम' के तीसरे दिन गोरखपुर अग्निशमन दल के दो प्रशिक्षकों द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों को आग के प्रकार, आग फैलने के प्रमुख कारण, आग को फैलने के प्रमुख स्रोत तथा आग से बचने के तरीकों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई साथ ही आवश्यक प्रशिक्षण का अभ्यास कराया गया।

पांच दिवसीय स्काउट गाइड परिचयात्मक शिविर कार्यक्रम (चौथा दिन) –

06 मार्च को बी.एड्. विभाग एवं रोवर्स/रेंजर्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'पांच दिवसीय स्काउट गाइड शिविर' के चौथे दिन प्रशिक्षकों द्वारा नेतृत्व, सहनशीलता और कार्यकुशलता जैसे शील गुणों के विकास के क्रम में विभिन्न शारीरिक एवं मानसिक क्रियाकलापों एवं गतिविधियों का समावेश रहा जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में समूह भावना उत्तरदायित्व, आत्मनिर्भरता और समाज के दायित्व की भावना से अवगत कराना था।

छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (चौथा दिन) –

06 मार्च को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं रोवर्स/रेंजर्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम' के चौथे दिन जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के दो प्रशिक्षकों श्री राणा प्रताप सिंह और श्री विवेक तिवारी के द्वारा उपस्थित विद्यार्थियों को आपदा प्रबन्धन का परिचय, आपदा के पूर्व एवं पश्चात की प्रमुख आवश्यकताओं के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

व्याख्यान प्रतियोगिता –

06 मार्च को हिन्दी विभाग के द्वारा व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. षष्ठम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री आरती निषाद ने प्रथम स्थान, बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री अमरजीत कुमार को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के छात्र श्री धर्मेन्द्र कुमार को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन और संचालन हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने किया।

पांच दिवसीय स्काउट गाइड परिचयात्मक शिविर कार्यक्रम (समापन समारोह) –

07 मार्च को हिन्दी विभाग बी.एड्. विभाग एवं रोवर्स/रेंजर्स के संयुक्त तत्वावधान में 'पांच दिवसीय स्काउट गाइड' परिचयात्मक शिविर के समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रशिक्षु विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न प्रकार के सामाजिक मुद्दों पर कलात्मक प्रस्तुती का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के अन्त में सर्वधर्म प्रार्थना तथा दीक्षा संस्कार का आयोजन किया गया।

छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (पांचवा दिन) –

07 मार्च को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में पांचवें दिन जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, गोरखपुर के दो प्रशिक्षकों श्री राणा प्रताप सिह और श्री विवेक तिवारी के द्वारा प्रशिक्षुओं को लेकर महाविद्यालय के पास स्थित ग्राम मंझरिया और रेतवाहिया में आपदा आकलन सर्वे का कार्य किया गया।

पढ़े महाविद्यालय बढ़े महाविद्यालय कार्यक्रम –

07 मार्च को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 'पढ़े महाविद्यालय बढ़े महाविद्यालय' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने उपस्थित विद्यार्थियों को किताब पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया इसके साथ ही उच्च शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता ने किया।

शपथ ग्रहण कार्यक्रम –

07 मार्च को प्रार्थना सभा में 'दहेज मुक्त भारत अभियान' के अन्तर्गत शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों व विद्यार्थियों को महाविद्यालय की छात्रा सुश्री अंशिका सिंह द्वारा शपथ दिलाया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस –

08 मार्च को प्रार्थना सभा में 'अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (समापन समारोह) –

08 मार्च को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम' के समापन समारोह के अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के आचार्य प्रो0 श्रीनिवास मणि त्रिपाठी ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता के रूप में जिला आपदा प्रबन्धन अधिकारी गोरखपुर के श्री गौतम गुप्ता जी का मागदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने की। कार्यक्रम का संयोजन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के अध्यक्ष ले. रमाकान्त दूबे तथा संचालन बी.एस–सी. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा सुश्री अंशिका सिंह ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम –

08 मार्च को इतिहास विभाग के द्वारा 'अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन इतिहास विभाग के अध्यक्ष श्री अनूप पाण्डेय तथा संचालन सहायक आचार्य डॉ. अर्चना गुप्ता ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम –

08 मार्च को गृह विज्ञान विभाग के तत्वावधान में 'अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में इतिहास विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अर्चना गुप्ता ने अपना व्याख्यन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री रीतिका त्रिपाठी तथा संचालन सहायक आचार्य सुश्री अवन्तिका पाठक ने किया।

जन जागरूकता कार्यक्रम –

09 मार्च को रसायन विज्ञान विभाग के द्वारा अभिगृहीत ग्राम रामपुर में 'दहेज मुक्त भारत अभियान' के अन्तर्गत जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम –

11 मार्च को प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के द्वारा प्रसिद्ध इतिहासकार एवं प्राच्यविद प्रो. विजय बहादुर राव के स्मृति के अवसर पर 'प्राचीन वैदिक समाज एवं संस्कृति' विषयक एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. इक्ष्वाकु सिंह ने किया।

व्यापार मेला –

11 मार्च को वाणिज्य एवं व्यवसाय प्रशासन विभाग के द्वारा होली पर्व एवं हिन्दू नव वर्ष के आगमन के अवसर पर 'व्यापार मेला' का आयोजन किया गया। व्यापार मेला में विभागीय विद्यार्थियों द्वारा निर्मित विभिन्न खाद्य पदार्थ और अबीर का प्रदर्शन एवं बिक्री किया गया। कार्यक्रम का संयोजन वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का सप्त दिवसीय शिविर (उद्घाटन कार्यक्रम)

17 मार्च को राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत सप्त दिवसीय शिविर के आयोजन का शुभारम्भ किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर के पूर्व प्राचार्य डॉ. शैलेंद्र प्रताप सिंह का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता तथा संचालन स्वयंसेवक श्री निमिष सिंह ने किया और आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने किया।

तीन दिवसीय लोकगीत कार्यशाला (उद्घाटन कार्यक्रम)

18 मार्च को संगीत प्रशिक्षण प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के अंतर्गत लोक संस्कृति के संरक्षण और प्रसार के लिए तीन दिवसीय लोकगीत कार्यशाला का आयोजन किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम के अवसर पर प्रशिक्षक के रूप में अन्तर्राष्ट्रीय गायक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष, भोजपुरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के डॉ. राकेश कुमार श्रीवास्तव का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूगोल विभाग क अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया। कार्यक्रम का संयोजन संगीत प्रशिक्षण प्रमाण पत्र की प्रभारी सुश्री दीप्ति गुप्ता एवं सेचालन सुश्री शीलू मिश्रा ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का सप्त दिवसीय शिविर (दूसरा दिन)

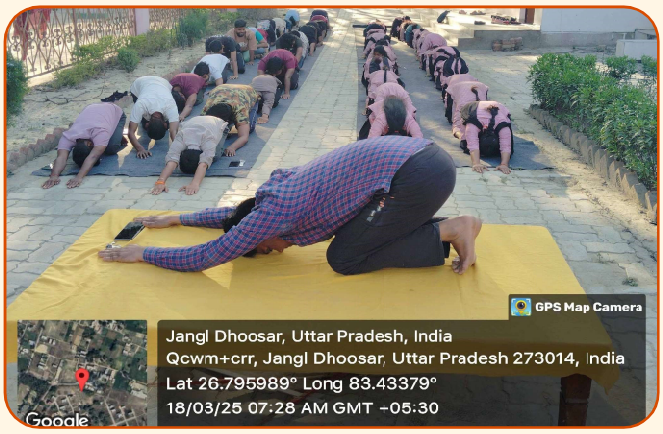

18 मार्च को राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत आयोजित सप्त दिवसीय शिविर के दूसरे दिन प्रातः काल प्राणी विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री विनय कुमार सिंह ने योग के विविध आयामों का अभ्यास कराया। इसके पश्चात् बौद्धिक सत्र में महाविद्यलय के प्राचीन इतिहास विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुबोध कुमार मिश्रा ने विद्यार्थी जीवन कैसा हो ? विषय पर अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष श्री हरिकेश यादव ने किया। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेविकी सुश्री शुभि ने तथा आभार ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का सप्त दिवसीय शिविर (तीसरा दिन)

19 मार्च को राष्ट्रीय सेवा के अन्तर्गत आयोजित सप्त दिवसीय शिविर के तीसरे दिन प्रातः कालीन सत्र में प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री विनय कुमार सिंह ने योग, प्राणायाम तथा व्यायाम का अभ्यास कराया तत्पश्चात् बौद्धिक सत्र के अवसर पर विकसित भारत और पर्यावरण सुरक्षा विषय पर क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी गोरखपुर डॉ. अश्वनी मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वाणिज्य संकाय के अध्यक्ष श्री नंदन शर्मा ने किया। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक श्री विक्रांत सिंह एवं आभार ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता ने किया।

तीन दिवसीय लोकगीत कार्यशाला (दूसरा दिन)

19 मार्च को संगीत प्रशिक्षण प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय लोकगीत कार्यशाला के दूसरे दिन प्रशिक्षक डॉ. राकेश श्रीवास्तव ने पारम्परिक लोकगीत के प्रशिक्षण के श्रेणी में विवाह संस्कार से सम्बन्धित लोकगीतों का प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री दीप्ति गुप्ता ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का सप्त दिवसीय शिविर (चौथा दिन)

20 मार्च को राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय शिविर के चौथे दिन प्रातः कालीन सत्र में श्री विनय कुमार सिंह के निर्देशन में शिविरार्थियों ने योग, व्यायाम एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। इसके पश्चात् बौद्धिक सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राजनीति विज्ञान विभाग के आचार्य डॉ. अमित उपाध्याय ने 'स्वयंसेवक के जीवन में श्रम का महत्व' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेविका सुश्री रिंकी भारती ने तथा आभार ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने किया।

तीन दिवसीय लोकगीत कार्यशाला (तीसरा दिन)

20 मार्च को संगीत प्रशिक्षण प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के अंतर्गत आयोजित 'तीन दिवसीय लोकगीत कार्यशाला' के तीसरे दिन प्रशिक्षक डॉ. राकेश श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को देवी गीत, पचरा आदि गीतों का प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यशाला में कुल 65 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला के समापन के अवसर पर भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने विद्यार्थियों का प्रोत्साहन करते हुए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संयोजन संगीत प्रशिक्षण प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम प्रभारी सुश्री दीप्ति गुप्ता ने किया।

दो दिवसीय योग कार्यशाला (प्रथम दिन)

21 मार्च को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में 'लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150 वीं जयंती वर्ष' के स्मरणोत्सव के अनुक्रम में 'दो दिवसीय योग कार्यशाला' का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रशिक्षक के रूप में बी.एड्. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्राध्यापक श्री आकाश गुप्ता ने विद्यार्थियों को योग के महत्व को बताते हुए योगाभ्यास करवाया । कार्यशाला का संयोजन बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का सप्त दिवसीय शिविर (पांचवा दिन)

21 मार्च को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित 'सप्त दिवसीय शिविर' के पांचवे दिन प्रातः कालीन योग, प्राणायाम एवं व्यायाम के पश्चात् महाविद्यालय परिसर में साफ–सफाई के बाद अभिगृहीत ग्राम मंझरिया में स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं द्वारा रैली निकालकर पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का सप्त दिवसीय शिविर (छंठवां दिन)

22 मार्च को राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत आयोजित 'सप्त दिवसीय शिविर' के छंठवें दिन प्रातः कालीन सत्र का प्रारम्भ योगाभ्यास से प्रारम्भ हुआ प्रशिक्षक के रुप में रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य श्री विवेक कुमार विश्वकर्मा उपस्थित रहे, तत्पश्चात् बौद्धिक सत्र में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभिषेक कुमार सिंह ने 'राष्ट्रनिर्माण में युवाओं की भूमिका' विषय पर अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम अध्यक्ष के रुप में शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल उपस्थित रहे। इसी क्रम में 'नशा मुक्ति भारत' विषय पर मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विजित प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरीत कर शुभकामनाएं प्रदान की गयी।

दो दिवसीय योग कार्यशाला

22 मार्च को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में 'लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती वर्ष' के स्मरणोत्सव के अनुक्रम में आयोजित 'दो दिवसीय कार्यशाला' के दूसरे दिन प्रथम सत्र में शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल ने यौगिक शक्ति एवं ऊर्जा का मानवीय जीवन में प्रासंगिकता को बताते हुए योग प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यशाला के दूसरे सत्र में बी.एड्. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्राध्यापक श्री अभिजीत चतुर्वेदी ने कार्यशाला में उपस्थित योग प्रशिक्षुओं को सूर्य नमस्कार, तितली आसन, भुजंगासन आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

22 मार्च को इतिहास विभाग के द्वारा शहीद–ए–आजम भगत सिंह की शहीदी दिवस की पूर्व संध्या पर 'शहीद शिरोमणि भगत सिंह की शहादत' विषयक एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रुप में महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. रमाकान्त दूबे ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन इतिहास विभाग के अध्यक्ष श्री अनूप कुमार पाण्डेय ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का सप्त दिवसीय षिविर (समापन समारोह)

23 मार्च को राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित 'सप्त दिवसीय शिविर' के समापन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. सत्यपाल सिंह का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। समारोह की अध्यक्षता भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक श्री निमिष सिंह ने तथा संयोजन राश्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता ने किया।

वाद–विवाद कार्यक्रम

27 मार्च को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में 'लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की 150वीं जयंती वर्ष' के स्मरणोत्सव के अनुक्रम में 'वर्तमान शिक्षा प्रणाली और ए.आई. (AI) का बढ़ता उपयोग–सकारात्मक एवं नकारात्मक पक्ष' विषय पर वाद–विवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बी.एड्. विभाग के छात्राध यापकों ने बढ़–चढ़कर प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने किया।

शोध व्याख्यान कार्यक्रम

29 मार्च को बी.एड्. विभाग के द्वारा 'लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की 150वीं जयंती वर्ष' के स्मरणोत्सव के अनुक्रम में 'सकारात्मक जीवन और सफलता के लिए प्रेरक उद्धरण अग्नि की उड़ान – डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम' विषयक शोध व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बी.एड्. के छात्राध्यापकों ने अपने–अपने शोध विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती विभा सिंह ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

29 मार्च को गणित एवं सांख्यिकीय विभाग के द्वारा 'इंटिग्रल ट्रांसफॉर्म एण्ड इट्स यूजेज' विषयक एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रुप में यू.पी.ई.एस. विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखण्ड के गणित विभाग के सहायक आचार्य डॉ. तनुज कुमार ने ऑनलाइन माध्यम से अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन गणित एवं सांख्यिकीय विभाग के अध्यक्ष श्री पप्पू गुप्ता तथा संचालन सहायक आचार्य श्री अनिल मौर्य ने किया।

4 दैनिक जागरण गोरखपुर, 1 मार्च, 2024

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी आज से नेपाल मैत्री संबंधों पर होगा मंथन

जासं, गोरखपुर : भारत और नेपाल के अंतरसंबंधों पर मंथन के लिए महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में शुक्रवार से अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन होने जा रहा है। 'भारत-नेपाल सांस्कृतिक अंतर्संबंधों की विकास यात्रा : अतीत से वर्तमान तक' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय संगोष्ठी का शुभारंभ शुक्रवार को सुबह 10 बजे से होगा। नेपाल के दो दर्जन से अधिक विद्वतजन गुरुवार को ही गोरखपुर पहुंच चुके हैं।

संगोष्ठी के विषय में जानकारी देते आयोजन के संयोजकद्वय ने डा. पद्मजा सिंह और डा.सुबोध कुमार मिश्र ने बताया कि कालेज प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव की मार्गदर्शन में संगोष्ठी की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। नेपाल के दो दर्जन से अधिक विद्वान आ चुके हैं। कई और विद्वानों के आने की उम्मीद है। करीब पचास विद्वान आनलाइन जुड़कर भारतीय विद्वतजन के साथ उन आयामों पर चर्चा करेंगे, जिससे भारत और नेपाल के मैत्रीपूर्ण संबंधों को नई ऊंचाई दी जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, नेपाल के कुलपति प्रो.सुबरन लाल बज्राचार्य करेंगे। सारस्वत अतिथि के रूप में मध्य पश्चिम विश्वविद्यालय, सुर्खेत, नेपाल के उप कुलपति प्रो नंद बहादुर सिंह, मुख्य अतिथि के रूप में नेपाल सरकार के पूर्व गृह राज्यमंत्री देवेंद्र राज कंडेल और विशिष्ट अतिथि के रूप में वाल्मीकि विद्यापीठ, काठमांडू, नेपाल के प्राचार्य प्रो. भागवत ढकाल की सहभागिता रहेगी। उद्घाटन सत्र में बीज वक्तव्य गोरखपुर विश्वविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा का होगा। पहले दिन दो तकनीकी सत्र होंगे जबकि तीसरे दिन तीन तकनीकी सत्रों के अलावा प्रतिभागियों को गोरखनाथ मंदिर का भ्रमण कराया जाएगा। समापन सत्र की अध्यक्षता गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन करेंगी। मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश के कुलपति प्रो.श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, दांग, नेपाल के कार्यकारी निदेशक प्रो.सुधन कुमार पौडेल, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल के संस्कृत विभाग के आचार्य डॉ. सुबोध शुक्ल, प्राज्ञीक विद्यार्थी परिषद, काठमांडू, नेपाल के राष्ट्रीय संगठन मंत्री नारायण प्रसाद ढकाल मौजूद रहेंगे।

गोरखपुर। शुक्रवार • 1 मार्च • 2024 7 सहारा

अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन आज

गोरखपुर (एसएनबी)। भारत नेपाल मैत्री संबंधों पर तीन दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में शुक्रवार को पूर्वाह्न 10 बजे से होगा। 03 मार्च तक चलने वाले इस आयोजन में शामिल होने के लिए गुरुवार को नेपाल के 24 विद्वतजन गोरखपुर पहुंच गए हैं।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ में 3 मार्च तक चलेगा आयोजन

यह सेमिनार महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हो रहा है। 'भारत-नेपाल सांस्कृतिक अंतर्संबंधों की विकास यात्रा: अतीत से वर्तमान तक' विषयक अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के बारे में जानकारी देते हुए आयोजन के संयोजकद्वय डा. पद्मजा सिंह और डा. सुबोध कुमार मिश्र ने बताया कि महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की देखरेख में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में अपना अनुभव और शोध निष्कर्ष साझा करने के लिए नेपाल के 24 विद्वान गुरुवार तक यहां पहुंच चुके हैं।

शुक्रवार को उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, लुम्बिनी, नेपाल के कुलपति प्रो. सुबरन लाल बज्राचार्य करेंगे। जबकि सारस्वत अतिथि के रूप में मध्य पश्चिम विश्वविद्यालय सुर्खेत नेपाल के उप कुलपति प्रो. नंद बहादुर सिंह, मुख्य अतिथि के रूप में नेपाल सरकार के पूर्व गृह राज्यमंत्री देवेंद्र राज कंडेल और विशिष्ट अतिथि वाल्मीकि विद्यापीठ काठमांडू नेपाल के प्राचार्य प्रो. भागवत ढकाल की सहभागिता रहेगी।

गोरखपुर | सोमवार, 4 मार्च 2024

भारत-नेपाल के बीच भाव और भावना का संबंध

भारत-नेपाल के सांस्कृतिक अंतरसंबंधों पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का समापन

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। भारत और नेपाल के बीच भाव और भावना का संबंध है। ऐसा संबंध राजनीति और आर्थिकी के संबंधों से कहीं अधिक मजबूत और गहरा होता है। दोनों राष्ट्रों के संस्कार और स्वभाव एक समान हैं। दोनों धार्मिक और आध्यात्मिक दर्शन के मजबूत डोर से बंधे हुए हैं।

ये बातें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी ने कहीं। प्रो. त्रिपाठी रविवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में आयोजित ''भारत-नेपाल सांस्कृतिक अंतरसंबंधों की विकास यात्रा : अतीत से वर्तमान तक'' विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ के संयुक्त तत्वावधान में हो रहे इस सेमिनार के समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि भारत-नेपाल के ऐतिहासिक सांस्कृतिक संबंधों को नई ऊंचाई देने के लिए युवाओं को आगे लाने की आवश्यकता है। इस दिशा में अकादमिक पहल होनी चाहिए। अकादमिक विकास में भारत, नेपाल का आपसी सहयोग मील का पत्थर बन सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए गोरखपुर विश्वविद्यालय और नेपाल के विश्वविद्यालयों के बीच करार किया गया है।

समापन सत्र को त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडो, नेपाल के संस्कृत विभाग के आचार्य डॉ. सुबोध शुक्ल और गोरखपुर विश्वविद्यालय के रक्षा एवं स्वातंत्रिक अध्ययन विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने भी संबोधित किया। महाराणा प्रताप महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के सभी विद्वतजन, प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सेमिनार से दोनों देशों के सांस्कृतिक-आध्यात्मिक संबंधों को नई ऊर्जा मिली है। अतिथियों का स्वागत सेमिनार के संयोजकद्वय डॉ. पद्मजा सिंह और डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के समापन अवसर पर बोलतीं गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन। संवाद

युवाओं के बल पर ठीक रहेंगे भारत-नेपाल के संबंध

समापन सत्र के विशिष्ट अतिथि प्राज्ञीक विद्यार्थी परिषद, काठमांडो, नेपाल के राष्ट्रीय संगठन मंत्री नारायण प्रसाद ढकाल ने कहा कि युवाओं के बल पर भारत-नेपाल संबंध ठीक रहेंगे। उन्होंने आह्वान किया कि नेपाल पर भारत के कुछ युवा शोध करें, नेपाली भाषा भी जानें। श्री ढकाल ने कहा कि नेपाल के लोग चाहते हैं कि भारत सार्क का नेतृत्व करे। विशिष्ट अतिथि नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र के कार्यकारी निदेशक प्रो. सुधन पौडेल ने कहा कि दोनों देशों के मैत्री संबंधों को मजबूत करने की दिशा में यह अंतरराष्ट्रीय सेमिनार एक नए अध्याय की शुरुआत जैसा है और इसके सुखद परिणाम सामने आएंगे।

भारत-नेपाल के बीच मैत्री और सहयोग को बढ़ाएगा गोरखपुर घोषणा पत्र

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में दोनों देशों के अकादमिक विशेषज्ञों, राजनेताओं, विभिन्न संस्थानों एवं संगठनों के प्रतिनिधियों ने सम्यक विचार विमर्श किया। इस विमर्श से प्राप्त निष्कर्षों को आपसी सहमति से गोरखपुर घोषणा पत्र के रूप में पारित किया गया। सबने इस बात को स्वीकार किया कि गोरखपुर घोषणा पत्र भारत-नेपाल के बीच मैत्री और सहयोग को बढ़ाने में काफी कारगर होगा। इस घोषणा पत्र में दोनों देशों के अकादमिक विशेषज्ञों, राजनेताओं, विभिन्न संस्थानों एवं संगठनों के प्रतिनिधियों ने इस बात पर पूर्ण सहमति जताई कि भारत-नेपाल संबंधों के मूल दोनों देशों के मध्य सदियों पुराने धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध हैं। यह तय किया गया कि दोनों देशों के नागरिकों, बौद्धिकों, राजनेताओं एवं युवाओं को इन सांस्कृतिक संबंधों को पुनर्जीवित करने और निरंतर प्रतिष्ठित करते रहने का कार्य करते रहना होगा। संवाद

हिन्दुस्तान
गोरखपुर
सोमवार
4 मार्च 2024
05

एमपी पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का समापन

भारत-नेपाल के बीच भाव व भावना का संबंध : प्रो. श्रीप्रकाश मणि

सेमिनार

गोरखपुर, निज संवाददाता। भारत और नेपाल के बीच भाव और भावना का संबंध है। ऐसा संबंध राजनीति और आर्थिकी के संबंधों से कहीं अधिक मजबूत और गहरा होता है। दोनों राष्ट्रों के संस्कार और स्वभाव एक समान हैं। दोनों धार्मिक व आध्यात्मिक दर्शन के मजबूत डोर से बंधे हुए हैं।

ये बातें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी ने कहीं। वे रविवार को महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में आयोजित 'भारत-नेपाल सांस्कृतिक अंतरसम्बंधों की विकास यात्रा : अतीत से वर्तमान तक' विषयक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और महाराणा प्रताप महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में हो रहे इस सेमिनार में प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि भारत नेपाल के लिए बड़े भाई की भूमिका में है तो नेपाल, भारत के लिए कवच के समान है। दोनों अपनी इन भूमिकाओं को बखूबी समझते हैं और निर्वहन भी करते हैं। उन्होंने कहा कि नेपाल के शालिग्राम को भारत पूजता ही रहेगा। भगवान श्रीराम और शिवावतार गुरु गोरखनाथ भारत और नेपाल में एक जैसे पूज्य हैं। दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंध है और इसका मूल आधार दोनों की साझी संस्कृति है।

समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि भारत-नेपाल के ऐतिहासिक सांस्कृतिक संबंधों को नई ऊंचाई देने के लिए युवाओं को आगे लाने की आवश्यकता है। इस दिशा में अकादमिक पहल होनी चाहिए। अकादमिक विकास में भारत-नेपाल का आपसी सहयोग मील का पत्थर बन सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए डीडीयू और नेपाल के विश्वविद्यालयों के बीच करार किया गया है। नेपाल के युवा यहां और यहां के युवा नेपाल जाकर दोनों देशों के बीच रिश्ते को और सशक्त बनाएंगे।

एमपी पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सेमिनार से दोनों देशों के सांस्कृतिक-आध्यात्मिक संबंधों को नई ऊर्जा मिली है। दोनों देश इस सिलसिले को निरंतर आगे बढ़ाते रहेंगे। त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू के संस्कृत विभाग के डॉ. सुबोध शुक्ल और डीडीयू के रक्षा एवं स्ट्रातजिक अध्ययन विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. हर्ष सिन्हा ने भी संबोधित किया। सेमिनार का प्रतिवेदन डीडीयू में राजनीतिशास्त्र विभाग के डॉ. अमित कुमार उपाध्याय ने प्रस्तुत किया। स्वागत डॉ. पद्मजा सिंह व डॉ. सुबोध मिश्र ने किया।

एमपीपीजी कालेज जंगल धूसड़ में संगोष्ठी में कुलपति प्रो. पूनम टंडन, प्रो. सीपीएम त्रिपाठी व अन्य। • हिन्दुस्तान

- अकादमिक विकास से मजबूत होंगे भारत-नेपाल के सम्बंध : प्रो. टंडन
- सांस्कृतिक-आध्यात्मिक संबंधों को नई ऊर्जा मिली : डॉ. प्रदीप राव

युवाओं के बल पर ठीक रहेंगे भारत-नेपाल के संबंध : ढकाल

विशिष्ट अतिथि प्राज्ञिक विद्यार्थी परिषद, काठमांडू के राष्ट्रीय संगठन मंत्री नारायण प्रसाद ढकाल ने कहा कि युवाओं के बल पर भारत-नेपाल संबंध ठीक रहेंगे। उन्होंने आह्वान किया कि नेपाल पर भारत के कुछ युवा शोध करें. नेपाली भाषा भी जानें। विशिष्ट अतिथि नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र के कार्यकारी निदेशक प्रो. सुधन पौडेल ने कहा कि इस सेमिनार के सुखद परिणाम सामने आएंगे।

मैत्री व सहयोग को बढ़ाएगा 'गोरखपुर घोषणा पत्र'

गोरखपुर। अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में दोनों देशों के अकादमिक विशेषज्ञों, राजनेताओं, विभिन्न संस्थानों एवं संगठनों के प्रतिनिधियों ने सम्यक विचार विमर्श किया। इस विमर्श से प्राप्त निष्कर्षों को आपसी सहमति से गोरखपुर घोषणा पत्र के रूप में धारित किया गया। सबने स्वीकार किया कि गोरखपुर घोषणा पत्र भारत-नेपाल के बीच मैत्री और सहयोग को बढ़ाने में काफी कारगर होगा। घोषणा पत्र में सभी वक्ताओं ने सहमति जताई कि भारत-नेपाल संबंधों के मूल दोनों देशों के मध्य सदियों पुराने धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध है। यह संकल्प भी लिया गया कि अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के उभयदेशीय प्रतिभागी भविष्य में दोनों देशों के संबंधों को प्रगाढ़ करने के लिए नियमित रूप से प्रस्ताव एवं कार्य योजनाएं तैयार कर दोनों देशों के नीति निर्धारकों के समक्ष 'जनाकांक्षाओं के प्रस्ताव' के रूप में प्रस्तुत करेंगे।

दैनिक जागरण 2
गोरखपुर, 2 मार्च, 2024
www.jagran.com

राम, बुद्ध और गोरखनाथ भारत-नेपाल एकता के मूल सूत्र : कंडेल

महाराणा प्रताप पीजी कालेज में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ भारत और नेपाल के सांस्कृतिक अंतरसंबंधों पर हुआ विस्तृत मंथन

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : भारत और नेपाल की एकता का मूल आधार दोनों देशों की साझा संस्कृति है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, महात्मा बुद्ध और शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ भारत-नेपाल एकता के मूल सूत्र हैं। यह कहना है कि नेपाल के पूर्व गृह राज्यमंत्री देवेंद्र राज कंडेल का। वह महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में शुक्रवार को भारत-नेपाल सांस्कृतिक अंतर्संबंधों का विकास पथ : अतीत से वर्तमान तक' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्घाटन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सेमिनार में कंडेल ने आगे कहा कि हमें अपनी संस्कृति और धर्म के लिए सबकुछ छोड़ना पड़े तो छोड़ देना चाहिए। अयोध्या में जन्मभूमि पर रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद श्रीरामलला की जन्मभूमि अयोध्या में बने भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हुई तो उसे नेपाल में भी पर्व के रूप में मनाया गया। भगवान श्रीराम व माता सीता के चलते भारत व नेपाल के बीच आवागमन की परंपरा आज तक चली आ रही है। यह हमारे आपसी मजबूत संबंधों को दर्शाता है। नेपाल पर गुरु गोरखनाथ के प्रभाव की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि नाथ संप्रदाय के नेपाल में कई जगह-जगह भव्य मंदिर हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से वार्ता हुई है, जल्द ही गोरखपुर से नेपाल के लिए भी पर्यटक बसें चलाई जाएंगी। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, लुम्बिनी के कुलपति प्रो. सुवरन लाल बज्राचार्य ने कहा कि भारत और नेपाल, दोनों देशों में अन्योन्याश्रय संबंध हैं। दोनों के सह-अस्तित्व से यह संबंध ऊंचाई को प्राप्त करते हैं। इस पारस्परिक संबंध का आधार हिंदुत्व है। हिंदुत्व का सम्मान करने व हिंदुत्व को बढ़ावा देने से निश्चित रूप में नेपाल और भारत के संबंधों में घनिष्ठता और मधुरता आएगी। उन्होंने राजनीतिक कारणों से एक दूसरे के लिए उग्र न होने की अपील की। सारस्वत अतिथि के रूप में उपस्थित मध्य पश्चिम विश्वविद्यालय, सुखेत, नेपाल के उप कुलपति प्रो. नंद बहादुर सिंह ने कहा कि भारत और नेपाल का डीएनए एक है इसलिए दोनों के आपसी संबंध प्रगाढ़ हैं। इसके पीछे का कारण दोनों देशों की धर्म, संस्कृति, भाषा व सभ्यता का एक होना है। वाल्मीकि विद्यापीठ, काठमांडू, नेपाल के प्राचार्य प्रो. भागवत ढकाल ने कहा कि भारत-नेपाल की सोच और जीवन शैली एक समान है।कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि पुष्पा भुषाल और प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा ने भी संबोधित किया। अतिथियों का स्वागत कालेज के प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि 2014 के बाद भारत बदला है, जिससे नेपाल और भारत के संबंध में और भी मधुरता आई है। उन्होंने ऐसी गोष्ठी का आयोजन हर वर्ष किए जाने पर बल दिया। इस दौरान भारत नेपाल के अंतरसंबंधों पर आधारित स्मारिका का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर प्रो. पद्मजा सिंह, डा. सुबोध कुमार मिश्र, प्रो. कीर्ति पांडेय, डा. सुधाकर लाल श्रीवास्तव, डा. रामवन्त गुप्ता, डा. अमित उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

महाराणा प्रताप पीजी कालेज में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में मंचासीन अतिथि उपस्थित प्रबुद्धजन ० सौ. कालेज प्रशासन

भारत-नेपाल की साझी विरासत और संस्कृति पर चर्चा

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के पहले दिन तकनीकी सत्रों में भारत-नेपाल की साझी विरासत और संस्कृति पर विशद चर्चा हुई। एक सत्र में लुंबिनी विश्वविद्यालय के डा. शिवकांत दूबे ने कहा कि भारत और नेपाल के लोग एक-दूसरे के दिलों में बसते हैं। सीआरडीपीजी कालेज गोरखपुर की डा. प्रीति त्रिपाठी ने कहा कि दोनों ही देश पर्यटन को बढ़ावा देते हैं। प्रो. कीर्ति पांडेय ने कहा कि दोनों देश एक दूसरे के निर्भरता का भी निर्वहन करते हैं।

भारतीय नभमण्डल के धार्मिक–आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक क्षितिज के दैदीप्यमान नक्षत्र युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज में पूर्वांचल के शैक्षणिक विकास एवं भारतीय संस्कृति, परम्परा, सनातन ज्ञान–विज्ञान एवं कौशल से ओत–प्रोत शिक्षा के प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से सन् 1932 ई. में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की थी। सिद्ध गोरक्षपीठ एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित महाराणा प्रताप महाविद्यालय पूर्वांचल के शिक्षा क्षेत्र के एक अग्रणी संस्था है। महाविद्यालय के मासिक गतिविधियों का एक संक्षिप्त संकलन ''ध्येय पथ'' नाम से मासिक ई–पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। इसी क्रम में मार्च माह की मासिक ई–पत्रिका ध्येय–पथ आप सभी के अवलोकनार्थ प्रस्तुत है।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय,

जंगल धूसड़, गोरखपुर